

विज्ञानोत्सव 2007 का समापन कला और संस्कृति के भव्य प्रदर्शन के साथ हुआ

शाह टाइम्स ब्यूरो
मेरठ। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय के फेकल्टी अफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित पांच दिवसीय विज्ञानोत्सव 2026 का कला, संस्कृति, तकनीक एवं खेल के भव्य प्रदर्शन के साथ सफल समापन हुआ।

यह मेगा टेक्नो-कल्चरल एंड स्पोर्ट्स फेस्ट ब्रेन, क्विज टिचिटी एंड एनर्जी ड्र टेक, कल्चरल एंड स्पोर्ट्स इवेंट्स थीम पर आयोजित रहा, जिसमें देशभर के छात्र-छात्राओं ने अपनी नवाचार क्षमता, तकनीकी कौशल और रचनात्मक प्रतिभा का प्रभावी प्रदर्शन किया। प्रातःकालीन सत्र में सांस्कृतिक समिति की अध्यक्ष डा. आशिमा के

समन्वयन में विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने नृत्य, संगीत एवं नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं एवं अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति का मनमोहक प्रदर्शन किया। इसके उपरांत सत्यजीत रे आडिटीयोरियम में भव्य समापन समारोह आयोजित किया गया। समारोह का भावनात्मक शिखर उस समय देखने को मिला, जब विश्व प्रसिद्ध सारंगी वादक एवं संगीतकार उस्ताद कमाल साबरी ने अपनी मधुर प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी प्रस्तुति में भारतीय शास्त्रीय संगीत की गहराई, भावनात्मक अभिव्यक्ति एवं तकनीकी दक्षता का अद्भुत संगम

अंतिम दिन भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक रचनात्मकता के उत्सव को समर्पित रहा

देखने को मिला। उपस्थित दर्शकों ने तालियों की गूंज के साथ उनका जोरदार स्वागत एवं सम्मान किया। समापन समारोह के दौरान पांच दिवसीय आयोजन में आयोजित विभिन्न तकनीकी, खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए गए। इस अवसर पर विद्यार्थियों की उत्कृष्टता, नवाचार एवं टीम भावना का उत्सव मनाया

गया। इस अवसर पर माननीय कुलाधिपति श्रीमती स्तुति नारायण कक्कर की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही विशिष्ट अतिथियों में पौनसवामी मेहेन एवं साजू जैकब सालिसिटर दू यूके एवं जर्मनी की उपस्थिति ने समारोह की गरिमा को और बढ़ाया तथा प्रतिभागियों को प्रेरित किया। आयोजन की सफलता के उपलक्ष्य में भव्य डीजे नाइट का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्ण वातावरण में विज्ञानोत्सव 2026 की सफलता का जश्न मनाया। आयोजन संयोजक डा. मुकेश रहेला ने सभी समन्वयकों, शिक्षकों, स्वयंसेवकों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए इसे सामूहिक प्रयास का

परिणाम बताया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डे.डी.ए. प्रमोद कुमार शर्मा एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रो. डे.डी.ए. शर्मा राज ने कार्यक्रम की सफलता पर सभी को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के डॉन, शिक्षक एवं कर्मचारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। फेकल्टी अफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डॉन प्रो. डे.डी.ए. प्रमोद कपिल, डा. शर्मा कुमार गर्ग, प्रो. डे.डी.ए. पिंटू मिश्रा, डा. मुकेश रहेला, डा. आशिमा, डा. हिमांशु अग्रवाल, डा. निखिल राठी, डा. दिव्या मिश्रा, डा. श्वेता, डा. संजीव, डा. अमित किशोर, मयंक सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

जयंत चौधरी ने ओएफए समिट केप टाउन में भारत के परिणाम आधारित दृष्टिकोण को किया उजागर

शाह टाइम्स संवाददाता
मेरठ। भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और शिक्षा राज्य मंत्री जयन्त चौधरी ने 25 से 27 मार्च 2026 को केप टाउन, साउथ अफ्रीका में हुए आउटकम्स फाइनेंस अलायंस (ओएफए) समिट 2026 में हिस्सा लिया।

वहां उन्होंने स्किल्स और ह्यूमन डेवलपमेंट में इनोवेटिव फाइनेंसिंग मैकेनिज्म, ग्लोबल पार्टनरशिप और आउटकम्स-ड्रिवन इन्वेस्टमेंट के लिए भारत की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। आउटकम्स फाइनेंस अलायंस समिट एक प्रमुख ग्लोबल प्लेटफॉर्म है, जो डेवलपमेंट फाइनेंस में आउटकम्स-बेस्ड अप्रोच की भूमिका को आगे बढ़ाने के लिए सरकारी, फिलैंथ्रोपी, इन्वेस्टर्स, मल्टीलेटरल्स, इंटरमीडियरी और डिलीवरी पार्टनर्स को एकजुट करता है। समिट में बोले हुए जयन्त चौधरी ने कहा कि जैसे-जैसे दुनिया तेजी से टेक्नोलॉजिकल और डेटा-ड्राइव बन रही है, उसी तरह चुनौती सिर्फ फाइनेंस जुटाना ही नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित

करना भी है कि इन्वेस्टमेंट लोगों के लिए ऐसे नतीजों में बदले जिन्हें मापा जा सके। भारत का अनुभव दिखाता है कि जब सरकारें, इंडस्ट्री और डेवलपमेंट पार्टनर परिणामों के आधार पर एकजुट होते हैं, चाहे वह स्किलिंग, एजुकेशन या आजीविका में हो, तब हम ऐसे विस्तार योग्य (स्केलेबल) समाधान विकसित कर सकते हैं, जो युवाओं को सशक्त बनाते हैं और आर्थिक स्थिरता को मजबूत करते हैं। इस समिट में जयन्त चौधरी आउटकम्स के लिए पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप को अनलफक करना विषय पर एक हाई-लेवल ओपनिंग प्लेनरी पैनेल में शामिल हुए। इस पैनेल में उनके साथ साउथ अफ्रीका सरकार, रैंड मर्चेन्ट बैंक (आरएमबी) और स्विट्जरलैंड के स्टेट सेक्रेटरीएट फर इकोनॉमिक अफेयर्स (एसईसीओ) के लीडर भी शामिल थे। इस चर्चा में स्किलिंग, एजुकेशन और आजीविका में मापे जा सकने वाले नतीजों के आसपास पब्लिक, प्राइवेट और फिलैंथ्रोपिक कंपिटल को एकजुट करने पर जोर देते हुए आउटकम्स-बेस्ड अप्रोच को आगे बढ़ाने में भारत की नेतृत्व भूमिका को उजागर किया गया।

आईसीआईसीआई प्रू जीपीपी फ्लेक्सी के साथ जीवनभर निश्चित आय, बिना चिंता रिटायरमेंट

शाह टाइम्स संवाददाता
मेरठ। यूएनडीपी की 2025 मानव विकास रिपोर्ट के अनुसार, भारत में लोगों की जीवन प्रत्याशा 1990 में 58.6 साल से बढ़कर 2023 में 72 साल हो गई है। दिलचस्प बात यह है कि सरकार के 'भारत में बुजुर्गों' के डेटा से पता चलता है कि वर्ष 2036 तक हर साल में से एक भारतीय व्यक्ति को 60 साल या उससे ज्यादा होगा। ये आंकड़े भारत में बेहतर होती स्वास्थ्य सेवाओं का संकेत देते हैं, लेकिन बढ़ती उम्र के साथ आने वाली चुनौतियों के बारे में भी हर व्यक्ति को जागरूक रहना जरूरी है। प्लान के बारे में बताते हुए चीफ प्रोडक्ट ऑफिसर विकास गुप्ता ने कहा, रिटायरमेंट प्लानिंग की सबसे बड़ी जरूरत होती है जीवनभर के लिए निश्चित आय। आईसीआईसीआई प्रू गारंटीड पेंशन प्लान फ्लेक्सी इसी जरूरत को पूरा करने के लिए एक आसान और लचीले तरीके से बनाया गया है।

जैसे-जैसे लोगों की उम्र बढ़ रही है, उन्हें अपने रिटायरमेंट के दौरान बढ़ते खर्च और तेजी से बढ़ती मेडिकल महंगाई का सामना करना पड़ेगा। इस चुनौती को समझते हुए और रिटायरमेंट प्लानिंग को आसान बनाने के लिए, आईसीआईसीआई प्रू डेवेलपमेंट लाइफ ने आईसीआईसीआई प्रू गारंटीड पेंशन प्लान फ्लेक्सी तैयार किया है, जो ग्राहकों को अपने रिटायरमेंट की प्लानिंग अच्छे से करने में मदद करता है। इस प्लान में व्यक्ति धीरे-धीरे पैसा जमा करके अपनी जरूरत के अनुसार एक अच्छी बचत बना सकते हैं। इसके बाद आपको जीवनभर के लिए निश्चित द्रुगारंटीड न्युमिनें आय मिलती है, जो रिटायरमेंट में सबसे जरूरी होती है। इसकी खास बात यह है कि आपको मिलने वाली आय की दर डेडिस्ट्रेस्टेड रेट्स प्लान लेते समय ही तय हो जाती है, इसलिए बाद में बाजार के उतार-उढ़ाव का असर नहीं पड़ता।

खेत में ट्रैक्टर निकालने को लेकर दर्जन भर लोगों का धारदार हथियारों से हमला

शाह टाइम्स संवाददाता
बहसुआ। क्षेत्र के गांव अस्सा निवासी मुर्गी फार्म के सामने भूसा से भरे ट्रैक्टर ट्राली निकालने को लेकर कहासुनी हो गई। कहासुनी के बाद एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर धारदार हथियारों से हमला बोल दिया जिसमें पांच लोग जखमी हो गये। पुलिस ने डाक्टर के लिए हस्तिनापुर भेज दिया जिसमें दो लोगों की हालत चिंताजनक होने पर मेरठ रेफर कर दिया। पीड़ित में दर्जनों लोगों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

बताते चले की मंगलवार की दोपहर अस्सा निवासी आस मोहम्मद अपने मुर्गी फार्म पर बैठा हुआ था। पड़ोसी खेत वालों ने सरसों का भूसा भरकर ट्रैक्टर ट्राली में ला रहे थे। जिसमें आस मोहम्मद ने ट्रैक्टर ट्राली के संचालक से ट्रैक्टर को धीमे लाने के लिए कहा गया। तभी ट्रैक्टर संचालक ने उतारते हुए उसके ऊपर लोहे की चाप से हमला बोल दिया, और उसने अपने साथियों को फोन कर मौके पर बुला लिया। वही आस



मोहम्मद को चचेरे भाई भी मौके पर आ गये। लेकिन दर्जनों आरोपितों ने उन पर भी तबल एवं लोहे की रांडों से हमला बोल दिया। जिसमें नौशाद महबूब सोनु शादाब आस मोहम्मद गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को डाक्टरी के लिए हस्तिनापुर भेज दिया है। जिसमें महबूब शादाब की हालत चिंताजनक होने पर मेरठ रेफर कर दिया। पीड़ित ने थाना पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी निरीक्षक प्रतिभा सिंह का कहना है कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले

को जांच की जा रही है।
वाटर एटीएम शुरू
नोएडा। नोएडा के लोगों को शुद्ध जल पिलाने के लिए मंगलवार को हरौला सेक्टर-4/5 में वाटर एटीएम शुरू किया गया। इसका उद्घाटन सांसद डॉक्टर महेश शर्मा और विधायक पंकज सिंह ने किया। इस वाटर एटीएम का निर्माण एचडीएफसी बैंक की ओर से सीएसआर फंड के जरिए कराया गया। इस मौके पर प्राधिकरण के जीएम जल आरपी सिंह मौजूद रहे। इस वाटर एटीएम से लोगों को निशुल्क जल दिया जाएगा। जल विभाग द्वारा वल

एटीएम योजना सुबह 7 बजे से 12 बजे तक और शाम को पांच से आठ बजे तक खुलेगा। अब तक शहर में नौ स्थानों पर वाटर एटीएम लगाया गया है। जहां लगाता लोगों को साफ जल उपलब्ध कराया जा रहा है। इस वाटर एटीएम की क्षमता 1200 लीटर प्रति घंटा है। प्राधिकरण जीएम आरपी सिंह ने बताया कि इस वाटर एटीएम में अल्ट्रा वायलट सिस्टम (यूवी), ओजोनेटर, सेंड फिल्टर, कार्बन फिल्टर और पेबल फिल्टर के जरिए पानी की गुणवत्ता को बेहतर बनाया गया है।

महिला की जमीन पर प्रापर्टी डीलर ने कब्जे का प्रयास



शाह टाइम्स संवाददाता
मेरठ। ब्रह्मपुरी क्षेत्र के ईरा गार्डन का एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां एक महिला की जमीन पर अवैध कब्जा कर उसे बेच देने का आरोप लगाया गया है। पीड़िता महिला ने पिछले दो वर्षों से न्याय के लिए दर-दर भटक रही हैं।

थाना लिसाडू गेट क्षेत्र के रश्मान नगर निवासी पीड़िता महिला रश्मानदा का अपने पति समदानी बाशा से संपत्ति को लेकर दो साल से विवाद चल रहा है। शनिवार को समय करीब 1:30 बजे पीड़ित महिला रश्मानदा को किसी ने फोन पर जानकारी दी की तुम्हारे प्लॉट पर कुछ लोग करीब कब्जा करने जा रहे हैं। पीड़िता महिला रश्मानदा मौका पर पहुंची और डायल 112 पुलिस को सूचना दी की

मेरे प्लॉट पर एक व्यक्ति अवैध कब्जा कर रहा है पीड़िता महिला रश्मानदा ने यह भी आरोप लगाया कि मेरा पति समदानी बाशा प्रापर्टी डीलर से सांडगांट करके प्लॉट बेचना चाहता है। उन्होंने बताया कि ईरा गार्डन प्लॉट नम्बर 1-025 असलम निवासी खतौली ने दिनांक 29/3/2026 को जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया। जिससे पीड़िता महिला रश्मानदा लगातार भय के माहौल में हैं। दो वर्षों से न्याय की आस में भटक रही पीड़िता ने प्रशासन से गुहार लगाई है पीड़िता महिला रश्मानदा ने थाना पहुंचकर पुलिस से तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई मांग की है और जमीन को अवैध कब्जे नहीं किया जाए। थाना ब्रह्मपुरी प्रभारी

वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित, मेधावी छात्र छात्राओं को किया पुरस्कृत



शाह टाइम्स संवाददाता
बहसुआ। मंगलवार को रामराज में स्थित बाल शिशु मंदिर रामराज में वार्षिक परिणाम घोषित किया गया। जिसमें प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कालेज प्रबंधक राहुल बंसल व प्रधानाचार्य उमेश कुमार शर्मा ने मां सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित कर किया गया। सभी छात्र-छात्राओं को विद्यालय प्रबंधक राहुल बंसल, मोनु बंसल एवं विद्यालय प्रधानाचार्य उमेश कुमार शर्मा ने छात्र-छात्राओं को उनके उज्ज्वल भविष्य और आगामी सत्र के लिए शुभकामनाएं बहुत-बहुत शुभकामनाएं दीं।

शाह टाइम्स संवाददाता
नोएडा में मनाई गई महावीर जयंती
नोएडा। नोएडा में मंगलवार को भगवान महावीर की 2624वें जयंती मनाई गई। इस मौके पर जैन समाज के लोगों ने हर्षोल्लास के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली। नोएडा के सेक्टर 50 स्थित जैन मंदिर में महावीर जयंती के मौके पर जन्मकल्याणक पर भव्य पालकी यात्रा का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर नोएडा जैन समाज के अध्यक्ष डॉ. अशोक, सत्य एवं "जियो और जीने दो" के संदेश का व्यापक प्रसार किया। पारंपरिक वेशभूषा में सुसज्जित श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन करते हुए प्रमुख मार्गों से भव्य पालकी यात्रा निकाली, जिससे सम्पूर्ण वातावरण भक्तिमय एवं उत्साहपूर्ण हो गया। यह यात्रा विभिन्न मार्गों से होती हुई सेक्टर 50 जैन मंदिर पहुंची। वहां भगवान महावीर का विधिवत अभिषेक किया गया। इस पारवण अवसर पर विश्व जैन संगठन नोएडा के अध्यक्ष के.के. जैन ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान महावीर के उपदेश हमें यह प्रेरणा देते हैं कि हम अपने जीवन में अहिंसा, सत्य, त्याग और करुणा को अपनाएं। "जियो और जीने दो" का सिद्धांत केवल एक विचार नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है, जो समाज में शांति, सद्भाव और सह-अस्तित्व को सुदृढ़ करता है। उन्होंने सभी से भगवान महावीर के बताए मार्ग पर चलकर एक नैतिक एवं संवेदनशील समाज के निर्माण का संकल्प लेने का आह्वान किया।

सिग्नलाई ने किया शहर के प्रमुख धार्मिक स्थलों को रोशन

शाह टाइम्स संवाददाता
परीक्षितगढ़। ग्रामीण अंचलीय पत्रकार एसोसिएशन के तत्वावधान में ग्राम खजुरी के मनमोहक पार्क में ईद मिलन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें संगठन के दर्जनों पत्रकारों ने भाग लेकर एक दूसरे को शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री प्रभु दयाल बाल्मीकि ने कहा कि पत्रकार समाज का आईना होता है, इसलिए पत्रकारों को अपनी छवि साफ, स्वच्छ बनाकर रखनी चाहिए। भाजपा नेता विनोद खटीक ने कहा कि पत्रकारों की लेखनी बिना भेदभाव की होनी चाहिए, जो समाज हित में हो। पूर्व चेयरमैन अमित मोहन टोपू ने सभी पत्रकारों को ईद की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पत्रकारों में गुटबाजी नहीं होनी चाहिए, क्योंकि पत्रकार बुद्धिजीवी

समर्थन किया। वहां मौजूद सभी पत्रकारों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनका स्वागत किया। राष्ट्रीय महामंत्री हरेंद्र चौधरी ने संगठन के बारे में विस्तार से जानकारी दी और बताया कि 30 मई को हाउडू में संगठन का एक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। श्रीकांत अस्थाना ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए

मनमोहक पार्क में ईद मिलन समारोह आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता
परीक्षितगढ़। ग्रामीण अंचलीय पत्रकार एसोसिएशन के तत्वावधान में ग्राम खजुरी के मनमोहक पार्क में ईद मिलन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें संगठन के दर्जनों पत्रकारों ने भाग लेकर एक दूसरे को शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री प्रभु दयाल बाल्मीकि ने कहा कि पत्रकार समाज का आईना होता है, इसलिए पत्रकारों को अपनी छवि साफ, स्वच्छ बनाकर रखनी चाहिए। भाजपा नेता विनोद खटीक ने कहा कि पत्रकारों की लेखनी बिना भेदभाव की होनी चाहिए, जो समाज हित में हो। पूर्व चेयरमैन अमित मोहन टोपू ने सभी पत्रकारों को ईद की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पत्रकारों में गुटबाजी नहीं होनी चाहिए, क्योंकि पत्रकार बुद्धिजीवी

संगठन में स्वच्छ छवि के लोगों को जोड़ने पर जोर दिया।

इस मौके पर राष्ट्रीय प्रवक्ता विपिन हरित, क्षेत्रीय अध्यक्ष यशपाल सिंह प्रदेश महामंत्री शहजेंद खान, राष्ट्रीय सचिव अशोक सोम, प्रदेश उपाध्यक्ष लियकत मंसूरी, प्रदेश सचिव, मनोज कश्यप, जिला उपाध्यक्ष जाकिर तुर्क, जिला उपाध्यक्ष पंकज शर्मा, जिला सचिव विवेक त्यागी, जिला उपाध्यक्ष मोम. तेन सलमानी, रामकिशन शर्मा, वीके गुप्ता, मवाना तहसील प्रभारी रजनीश विश्वकर्मा, शाहिद अली किटौरी वरिष्ठ पत्रकार अनमोल गार्ग पपीत प्रधान परवेज मुन्जर सहित दर्जनों पत्रकार मौजूद रहे। कार्यक्रम के आयोजक जिला उपाध्यक्ष मुमतीयाज अली व प्रदेश सचिव उस्मान अली ने आप हुए सभी अतिथि पत्रकारों का अभिनंदन किया

संगठन में स्वच्छ छवि के लोगों को जोड़ने पर जोर दिया।

इस मौके पर राष्ट्रीय प्रवक्ता विपिन हरित, क्षेत्रीय अध्यक्ष यशपाल सिंह प्रदेश महामंत्री शहजेंद खान, राष्ट्रीय सचिव अशोक सोम, प्रदेश उपाध्यक्ष लियकत मंसूरी, प्रदेश सचिव, मनोज कश्यप, जिला उपाध्यक्ष जाकिर तुर्क, जिला उपाध्यक्ष पंकज शर्मा, जिला सचिव विवेक त्यागी, जिला उपाध्यक्ष मोम. तेन सलमानी, रामकिशन शर्मा, वीके गुप्ता, मवाना तहसील प्रभारी रजनीश विश्वकर्मा, शाहिद अली किटौरी वरिष्ठ पत्रकार अनमोल गार्ग पपीत प्रधान परवेज मुन्जर सहित दर्जनों पत्रकार मौजूद रहे। कार्यक्रम के आयोजक जिला उपाध्यक्ष मुमतीयाज अली व प्रदेश सचिव उस्मान अली ने आप हुए सभी अतिथि पत्रकारों का अभिनंदन किया

मथुरा समचार

समाजसेवी और वरिष्ठ कांग्रेस नेता का मोहम्मद युनुस गाजी का निधन

शाह टाइम्स संवाददाता
मथुरा। समाजसेवी और वरिष्ठ कांग्रेस नेता का मोहम्मद युनुस गाजी का निधन हुआ। उन्होंने लंबे समय से बीमार पड़े हुए थे।

मोहम्मद युनुस गाजी का निधन मथुरा के एक अस्पताल में हुआ। उन्होंने लंबे समय से बीमार पड़े हुए थे। उनके निधन की खबर सुनते ही उनके परिवार में शोक मचा हुआ है।

युनुस गाजी एक समाजसेवी और वरिष्ठ कांग्रेस नेता थे। उन्होंने अपने जीवन में समाज के हितों को ध्यान में रखते हुए कई काम किए हैं।

वार्षिक परीक्षा एवं पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न

शाह टाइम्स संवाददाता
मथुरा। वार्षिक परीक्षा एवं पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न हुआ।

समारोह में विद्यार्थियों को उनके परीक्षा परिणामों के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही विद्यार्थियों को उनके परीक्षा में हासिल किए गए पुरस्कारों का वितरण भी किया गया।

प्रधानाचार्य ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं और उन्हें अपने अध्ययन में और अधिक मेहनत करने की प्रेरणा दी।

ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के नाम पर 43 हजार की ठगी

मापण कर्म में अनिलनाथ को हत्या केरत ठगी की घटना

मापण कर्म में अनिलनाथ को हत्या केरत ठगी की घटना... 43 हजार की ठगी... ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के नाम पर...

मेहमानों के साथ में की मापण्टी

मापण्टी केरत में पुरानी केरत पर आरू अरू मेहमानों के साथ मापण्टी केरत... 43 हजार की ठगी... ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के नाम पर...

वाहन के विद्युत तार तोड़ने से कई घंटे की बिजली गूल

वाहन के विद्युत तार तोड़ने से कई घंटे की बिजली गूल... मापण्टी केरत में पुरानी केरत पर आरू अरू मेहमानों के साथ मापण्टी केरत...

कासमपुर गांव में दबंगों का तांडव, जानलेवा हमला

कासमपुर गांव में दबंगों का तांडव, जानलेवा हमला... मापण्टी केरत में पुरानी केरत पर आरू अरू मेहमानों के साथ मापण्टी केरत...

मेरठ में किड्स जैन कैम्पस का शुभारम्भ

मेरठ में किड्स जैन कैम्पस का शुभारम्भ... मापण्टी केरत में पुरानी केरत पर आरू अरू मेहमानों के साथ मापण्टी केरत...

नेत्र चिकित्सा शिविर में 385 मरीजों की आंखों की जांच

नेत्र चिकित्सा शिविर में 385 मरीजों की आंखों की जांच... मापण्टी केरत में पुरानी केरत पर आरू अरू मेहमानों के साथ मापण्टी केरत...

भाभी ने जेठ पर लगनाया गालियां देने का आरोप

भाभी ने जेठ पर लगनाया गालियां देने का आरोप... मापण्टी केरत में पुरानी केरत पर आरू अरू मेहमानों के साथ मापण्टी केरत...

शूटिंग चैंपियनशिप में शिखर शिक्षा मंडल का शानदार जलवा

शूटिंग चैंपियनशिप में शिखर शिक्षा मंडल का शानदार जलवा... मापण्टी केरत में पुरानी केरत पर आरू अरू मेहमानों के साथ मापण्टी केरत...

लंबे वक्त के बाद फिर लेकर आ रहे पार्टी किंग एंटरटेनमेंट का तड़का

लंबे वक्त के बाद फिर लेकर आ रहे पार्टी किंग एंटरटेनमेंट का तड़का... मापण्टी केरत में पुरानी केरत पर आरू अरू मेहमानों के साथ मापण्टी केरत...

जासनेर रोड को मिलेगी ईई रफ्तार

जासनेर रोड को मिलेगी ईई रफ्तार... मापण्टी केरत में पुरानी केरत पर आरू अरू मेहमानों के साथ मापण्टी केरत...

सड़क हादसे में टूक चौक घायल

सड़क हादसे में टूक चौक घायल... मापण्टी केरत में पुरानी केरत पर आरू अरू मेहमानों के साथ मापण्टी केरत...

मोटोसाइकिल टक्कर के बाद मापण्टी

मोटोसाइकिल टक्कर के बाद मापण्टी... मापण्टी केरत में पुरानी केरत पर आरू अरू मेहमानों के साथ मापण्टी केरत...

नोएडा एयरपोर्ट की तर्ज पर रेणू विहार में हेमुमत् भंडारा

नोएडा एयरपोर्ट की तर्ज पर रेणू विहार में हेमुमत् भंडारा... मापण्टी केरत में पुरानी केरत पर आरू अरू मेहमानों के साथ मापण्टी केरत...

खतौली में लगा रक्तदान शिविर, 70 खूनित रक्त संग्रहित

खतौली में लगा रक्तदान शिविर, 70 खूनित रक्त संग्रहित... मापण्टी केरत में पुरानी केरत पर आरू अरू मेहमानों के साथ मापण्टी केरत...

टैक्स बार एसोसिएशन के चुनाव में सलिल वत्स अध्यक्ष, ब्रजमोहन महासचिव, अमित तायल कोषाध्यक्ष बने

टैक्स बार एसोसिएशन के चुनाव में सलिल वत्स अध्यक्ष, ब्रजमोहन महासचिव, अमित तायल कोषाध्यक्ष बने... मापण्टी केरत में पुरानी केरत पर आरू अरू मेहमानों के साथ मापण्टी केरत...

वेदिक पुत्री पाठशाला इंटर कॉलेज में एलुमनाई मीट का आयोजन

वेदिक पुत्री पाठशाला इंटर कॉलेज में एलुमनाई मीट का आयोजन... मापण्टी केरत में पुरानी केरत पर आरू अरू मेहमानों के साथ मापण्टी केरत...

शिक्षकों को बीजूदगी में तारिह कूशी को पाहाड़ी ब झाल आढ़ाकर किया सम्मानित

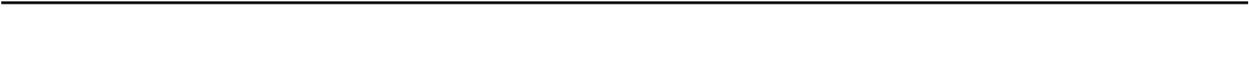
शिक्षकों को बीजूदगी में तारिह कूशी को पाहाड़ी ब झाल आढ़ाकर किया सम्मानित... मापण्टी केरत में पुरानी केरत पर आरू अरू मेहमानों के साथ मापण्टी केरत...

मौसम ने अचानक से बदला अपना मिजाज

मौसम ने अचानक से बदला अपना मिजाज... मापण्टी केरत में पुरानी केरत पर आरू अरू मेहमानों के साथ मापण्टी केरत...

मंत्रि कौशल देव ने विजयपाल के निधन पर जताया शोक

मंत्रि कौशल देव ने विजयपाल के निधन पर जताया शोक... मापण्टी केरत में पुरानी केरत पर आरू अरू मेहमानों के साथ मापण्टी केरत...



IPL: गुजरात ने पंजाब को 163 का टारगेट दिया

शुभमन गिल ने 39, बटलर ने 38 रन बनाए, विजय कुमार वैशाख ने 3 विकेट लिए

चेन्नई, बार्ता। आईपीएल के चौथे मैच में गुजरात टाइटंस ने पंजाब किंग्स को 163 रन का टारगेट दिया। गुजरात ने पंजाब को बलिग चूनी। गुजरात ने 6 विकेट खोकर 162 रन बनाए। कप्तान शुभमन गिल ने 39 और जोस बटलर ने 38 रन बनाए। पंजाब के विजयकुमार वैशाख ने 3 और सुयुवेंद्र चहल ने 2 विकेट लिए।

अशदीप सिंह ने 20वें ओवर में 11 गेंदें फेंकीं। ओवर में 4 बाइंड और 1 नो-बाउट शामिल रही। यह आईपीएल के किसी एक ओवर में सबसे ज्यादा गेंदें फेंकने के रिकार्ड की बराबरी रही। 19वें ओवर में विजयकुमार वैशाख ने 2 विकेट लिए। ओवर की आखिरी गेंद पर उन्होंने शारदुख खान को अशदीप सिंह के हाथों कैच करवाया। शारदुख 4 रन हो बना सके। वैशाख ने बार्शिंगटन सूर्य और 19वें फिलिपस को भी बेवैतलन भेजा। 19वें ओवर में गुजरात ने पांचवां विकेट गंवाया।



ओवर की पहली बाल विजयकुमार वैशाख ने बटलर बाइंडर फेंकी। बार्शिंगटन सूर्य ने शाह खेला, लेकिन एकदुआ कवसर् पोशियन पर कैच हो गए। वे 18 रन हो बना सके। 18 ओवर के बाद गुजरात ने 4 विकेट खोकर 144 रन बना लिए। टीम से बार्शिंगटन सूर्य और शारदुख खान पिच पर मौजूद रहे। 16वें ओवर में गुजरात ने चौथा विकेट गंवा दिया। ओवर की चौथी बाल सुयुवेंद्र चहल ने गुड लेंथ पर फेंकी। गुजरात ने आगे निकलकर बड़ा शाह खेला, लेकिन लाना लान पर जैविकर बार्टेंडर के हाथों कैच हो गए। बटलर ने 38 रन बनाए। 14वें ओवर

में गुजरात ने तीसरा विकेट गंवाया। ओवर की आखिरी बाल विजयकुमार वैशाख ने फूल लेंथ फेंकी। रविन किलियन ने सामने को आगे शाह खेला, लेकिन लाना आफ पर मार्को यानसन के हाथों कैच हो गए। फिलिपस ने 17 गेंद पर 25 रन बनाए। 12वें ओवर में गुजरात टाइटंस ने अपनी सीटें पूरी कर लीं। 10वें फिलिपस ने सुयुवेंद्र चहल के खिलाफ चौका लगाया और टीम को 100 रन पूरे कर दिए। 10वें ओवर में गुजरात ने दूसरा विकेट गंवा दिया। ओवर की तीसरी बाल सुयुवेंद्र चहल ने गुड लेंथ पर ब्लाटेंडर फेंकी। शुभमन गिल ने रेलाना स्वी खेला, लेकिन डीप मिड-विकेट पोशियन पर फेंकी। सुयुवेंद्र चहल ने मिलल गुजरात में पंजाब को पहला विकेट दिलाया। गुजरात टाइटंस ने 7वें ओवर में पापा का पहरा छका लगाया। जोस बटलर ने विजयकुमार वैशाख की स्लोअर गेंद को सामने की दिशा में बाईजेंड्री के बाहर भेज दिया। गुजरात टाइटंस ने पावरप्ले के आखिरी ओवर में फिफ्टी पूरी कर ली। टीम ने 6 ओवर में एक भी छक्का लगाए बिना 54 रन बना लिए। जोस बटलर और कप्तान शुभमन गिल पिच पर मौजूद रहे। वहीं साई सुदर्शन 13 रन बनाकर आउट हुए। चौथे ओवर में पहली बार बार्शिंग करने आए मार्को यानसन ने पंजाब को पहला विकेट दिलाया। ओवर की चौथी बाल उन्होंने गुड लेंथ पर फेंकी। साई सुदर्शन समय में हंड्रेड जवा ऑन-फाउंड अपॉवर में लाहौर कलेंडर्स पर पांच रन की पेंचटो लगाई और कराची किंग्स को गारी के आखिरी ओवर से पहले गेंदें बदलने का आदेश दिया। ओवर में बटलर का आदेश शारदुख सैकन और फैसल खान अपारकी के साथ-साथ टीवी ऑपॉवर आसिफ याकूब और चौथे अपॉवर

फखर पर बॉल टैंपरिंग के लिए लगा दो मैच का बैन

लाहौर, बार्ता। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने मंगलवार को कप्तान क्रिया कि टूर्नामेंट के कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल 3 के उल्लंघन का दोषी पाए जाने के बाद फखर जमान को पीएसएल 2026 के दो मैचों के लिए सस्पेंड कर दिया गया है। यह आरोप आर्टिकल 2-14 के उल्लंघन से जुड़ा है, जो 29 मार्च को गद्दारी स्टेडियम में कराची किंग्स के खिलाफ लाहौर कलेंडर्स के मैच के दौरान गेंद की हालत बदलने से जुड़ा है।

यह घटना मैच के आखिरी समय में हुई जब ऑन-फाउंड अपॉवर में लाहौर कलेंडर्स पर पांच रन की पेंचटो लगाई और कराची किंग्स को गारी के आखिरी ओवर से पहले गेंदें बदलने का आदेश दिया। फखर पर बटलर का आदेश शारदुख सैकन और फैसल खान अपारकी के साथ-साथ टीवी ऑपॉवर आसिफ याकूब और चौथे अपॉवर

तारिक रशीद ने आरोप लगाए। उन्होंने गलती से इन्कार किया और आरोप का विरोध करने का विकल्प चुना, जिसके कारण पूरी डिप्लिमाटरी सुनाई हुई। सुनाई करने वाले मैच रेफरी रमिशन महानागा ने सर्वतो को समझा कराने और फखर की दलीलें सुनीं। लाहौर कलेंडर्स के कप्तान शहीन शाह अपारकी, टीआइयनर समीन राणा और मैनेजर फारुक अख्तर कार्रवाई के दौरान मौजूद थे। लेवल 3 के नियम तोड़ने पर कम से कम एक मैच का बैन से लेकर ज्यादा से ज्यादा दो मैच का बैन लगा सकता है। जिसमें फखर को पेंचटो की ऊपरी लिमिट दी जाती है। अब वह 3 अपील को लाहौर में मुलातम सुलूसन के खिलाफ लाहौर कलेंडर्स के आगे चलेगी और 9 अपील को कराची में इस्लामाबाद यूनाइटेड के खिलाफ मैच नहीं खेले जाएंगे।

आज पावरप्ले का फायदा उठाने का मौका था: वैभव सूर्यवंशी

गुवाहाटी, बार्ता। अपने 15वें जन्मदिन के तीन दिन बाद वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 सीजन की शुरुआत। 15 मिनट में अर्धशतक से कम, जो इसीलिए भी खास था क्योंकि उसी पिच पर चेन्नई सूर्य किंग्स सिर्फ 127 रन पर ऑलआउट हो गई थी। सूर्यवंशी ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स की योजना पावरप्ले का पूरा फायदा उठाने की थी, इसलिए उन्होंने आक्रमक अंदाज अपनाया।



कैच छोड़ दिया था, जो डीप मिडविकेट पर एक मुश्किल मौका था। उन्होंने पावरप्ले खेले होने तक 160 गेंदों में 52 रन बना लिए, जिसमें पांच छक्के और चार चौके शामिल थे। आउटआर का स्कोर 6 ओवर में 70 रन था। उन्होंने कहा कि आउटआर में जेडवेंडर ने उन्हें अपना नेचुरल गेंद खेलने की आजादी दी और सीजन से पहले उन्होंने तैयारी भी अच्छी रखी। उन्होंने बस कहा कि हम नर्च स्पॉट कर रहे हैं, तुम अपना नेचुरल गेंद खेलो।

ऋषभ पंत-केएल राहुल में होगी दिलचस्प गंठ

IPL 2026: लखनऊ सूर्य जायंट्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच आज हाई-इंटेन्सिटी मुकाबला

लखनऊ, बार्ता। आईपीएल 2026 में सुभार को रविवार सुबह जायंट्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच होने वाला मुकाबला एक हाई-इंटेन्सिटी मुकाबला होगा, जिसमें स्टार्स का रीयूनिजन, इंडिविजुअल मैचप्ले और अलग-अलग डेब्यूकल अप्रोच होंगे। दोनों टीमों में मजबूत डेब्यूनेरसल प्लेयर्स और इतनाफिका इंटेंसिव टैलेंट होने के कारण, कप्तान के बीच एक मुकाबला होगा।

ओअसर् फिनन और हिमिपिण्डु बार्शिंग के लिए फायदेमंद होंगे। एक बड़ा स्ट्रीकलाइन उन खास प्लेयर्स के रीयूनिजन के इर्द-गिर्द घूमती है, जिन्होंने पहले ड्रॉसिग रूप में खेल किया है। ऋषभ पंत, जो अब लखनऊ सूर्य जायंट्स की



अपनी पुरानी टीम दिल्ली कैपिटल्स का सामना करेगी, जबकि केएल राहुल, जो एलएसएके के पुराने खिलाड़ी थे, अब दिल्ली कैपिटल्स को रिप्रेजेंट करेंगे। इससे मुकाबले में एक इमोशनल पहलू जुड़ जाएगा है, क्योंकि दोनों प्लेयर्स लीडरशिप की

अपने मुख्य स्पिनर कुलदीप यादव के साथ मुकाबला करेगी, जिनकी बेरिगेशन और विकेट लेने की कालिब्रेशन उस पिच पर अहम साबित हो सकती है, जो आमतौर पर धीमे गेंदवाली को मदद देती है। लखनऊ एक टैलेंट-होटी टीम लगती है, जिसके कप्तान ऑफेंस में कप्तान पाण्डेयराव हैं। जिसमें सार्थ, एडेंड मार्करन, पंत और सूर्य का अनुभवपूर्ण धाकेदार पोस्टिगेशन है। 30 वर्षीय पंतार मोहम्मद शमी और पारकि नौटिक को शामिल करने से उनका बार्शिंग अटैक मजबूत हुआ है, जो पेंच, पडुवेंसी और डेबू आउट में एक्सपर्ट हैं। दूसरी ओर, दिल्ली टीम और बार्शिंग अटैक में दुष्प के साथ ज्यादा बेलेंडर डेब्यू नूनिट देती है। नीवीश राणा, ट्रिट्टन स्ट्रेम और डेब्यू निगर स्ट्रेडिलिटी और फिनिशिंग स्ट्रोक हैं, जो टॉप पर केंपल राहुल की कमिटेन्सी के बीच कर रहे हैं। अरध पदेल के ऑलराउंड गैगरेनन से बार्शिंग और बार्शिंग दोनों डिपार्टमेंट में उनकी फ्लेक्सिबिलिटी और बढ़ जाती है।

अंजेल विशेख

क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 टूर्नामेंट-सीरीज में नामीबिया के कप्तान होगी स्मिथ विडहोके, बार्ता। क्रिकेट नामीबिया ने कप्तान नियुक्त किया है कि ऑलराउंडर जोहानस जोनाथन स्मिथ आने वाली आईसीसी मेन्स क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 टूर्नामेंट-सीरीज में नेशनल टीम के कप्तान होंगे, जो 2 से 12 अप्रैल तक यहां होगी। नामीबिया बड़े इंटरनेशनल सीरीज में आमोन और स्काटलैंड की मेजबानी करेगा, जो वर्ल्ड कप के लिए ब्रेविलि फिनिशन का एक अहम रस्ता है। स्मिथ, जो ब्राइस-केटन के तीसरे पर काम कर रहे थे, यह रोल अब संपालने का एक लंबे समय से कप्तान रिचर्ड डेविसका कप्तानी की चुनौती में ब्रेक लेना। स्मिथ ने कहा कि वह मेसिन पर जोर देने पर सूर्य क्रिकेट का मजा लेना चाहता है, और मुझे उम्मीद है कि यह आगम मेरी सबसे ज्यादा कालिब्रेशन को बार्शिंग निकालेगा। मेरा डेब्यूकल इनपुट अभी उदालतन रहेगा, और मैं टीम को स्पॉट करने के लिए बहा रहेगा।

‘सीएसके छोड़ना इमोशनल था’: जडेजा

नई दिल्ली, बार्ता। राजस्थान रॉयल्स ने चेन्नई सूर्य किंग्स के खिलाफ टाटा आईपीएल 2026 के पहले परले में अंजेल विशेख से शानदार जीत दर्ज की। जोशुा हॉटवैटर के ‘गुरांग पर्स एवार्ड’ में 160 गेंदें चेंडू लाव ‘पर बाउट करे पर, आउटआर के र्विंड जडेजा ने जिवा स्टार एक्सपर्ट ऑलिन कुंलेले और सुखेरा रेना से सीएसके के ब्राइस-केटन, आरआर की कुरशुआली बार्शिंग और टीम की ऑलराउंडर काफेर आने और विचार मजबूत किया।



मैं अब उस टीम के साथ हूँ जहां मैंने पहले बार आईपीएल टाइटल जीता था। यह वाह हमेशा मेरे साथ रही है, कि अंडर-19 वर्ल्ड कप के बाद, मैंने अपना आईपीएल करियर वहीं से शुरू किया था। मुझे खेला था, सुकूम में थोड़ा मुश्किल था। यह बहुत इमोशनल था। लेकिन मैं खुद से कहा कि इस तरह के बदलाव भी संभव कर हिस्सा है। अच्छी बात यह थी कि

जडेजा ने सीएसके से अपने इमोशनल ज्ञान के बारे में कहा, मुझे पिक करके पसंद आ रहा है। पंतार में थोड़ा पुराना लगना लगे था, लेकिन मैं बस मजबूत कर रहा हूँ। बाइर है, सीएसके जैसी फी, हाजी छोड़ना, बार्ता मैंने 12-13 साल खेला था, सुकूम में थोड़ा मुश्किल था। यह बहुत इमोशनल था। लेकिन मैं खुद से कहा कि इस तरह के बदलाव भी संभव कर हिस्सा है। अच्छी बात यह थी कि

सूर्यवंशी भारतीय टी 20 टीम में जगह बनाने के दावेदार हैं: चावला

गुवाहाटी, बार्ता। रियाण पण्डा, गुवाहाटी में वैभव सूर्यवंशी को चेन्नई सूर्य किंग्स (सीएसके) के खिलाफ बल्लेबाजी करते हुए देख रहे हैं और यह यही सोच रहे थे, वाह, ए कैसे करता है? वहीं दूसरी ओर पीयूष चावला और अंबाती रायडू - इंएसपीएल क्रिकेट्स को स्ट्रिडिंग से मैच देखते हुए सोच रहे थे कि 15 साल के राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के इस बल्लेबाज के लिए भारतीय टीम का बुलावा अब ज्यादा दूर नहीं है। चावला ने कहा कि वह सूर्यवंशी को जल्दी ही ऊपर के स्तर पर देखा चाहेंगे।

जबकि रायडू थोड़ा सावधान रहे लेकिन बोले कि यह युवा फिनिशिंग रूप से टैलेंट में शामिल है। आईपीएल के बाद भारत को अलग-अलग टी 20 सीरीज खेलना है। इंएसपीएल क्रिकेट्स के लिए टाइटल आउट हिरी शो में रायडू ने

कहा कि सूर्यवंशी, देश के कई युवा खिलाड़ियों से एक स्तर ऊपर दिखते हैं और ऐसी प्रतियोगिता में जगह बनाना आसान नहीं होगा। मेरे हिसाब से अभी कुछ खिलाड़ी उभरे आगे हैं, क्योंकि टी 20 आगे आईसीसी टूर्नामेंट को ध्यान में रखकर बनाए जाते हैं। कई खिलाड़ी हैं जो पिछले दो-तीन साल से लगातार अलग प्रदर्शन कर रहे हैं। इसलिए टीम को बल्लेबाजों के खिलाड़ी उभरे आगे हैं कि वह निश्चय रूप से रस में होंगे। लेकिन अभी कई खिलाड़ी उभरे आगे हैं। अगर सूर्यवंशी अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचते हैं, तो वह बल्लेबाजों के लिए बल्लेबाजी से ढल जाएंगे। उन्होंने कहा कि यही आईपीएल की खुबसूरती है। 15 साल की उम्र में वह विजय स्तर पर पंजाब का सामना कर रहे हैं। जब वह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जाएंगे, तो यह उनके लिए बड़ा नतीजा होगा। वह पहले की 140 की गति वाली गेंदवाली को सामना कर रहे हैं।

वर्ल्ड जूनियर वूशू चैंपियनशिप में चीन ने 13 गोल्ड जीते

वर्ल्ड जूनियर वूशू चैंपियनशिप में चीन ने 13 गोल्ड जीते तियानजिन, बार्ता। 10वें वर्ल्ड जूनियर वूशू चैंपियनशिप ब्रह्म दिन के कॉन्फिगरेटन के बाद यहां खसु हुआ, जिसमें चीन ने 13 गोल्ड और चार सिल्वर मेडल जीतकर मेडल स्ट्रीड में दूसरा स्थान हासिल किया। हांगकांग, 13 गोल्ड, सात सिल्वर और छह ब्रॉन्स मेडल के साथ उदाल में उभरे पर रहा, जबकि इंडोनेशिया नौ गोल्ड, 11 सिल्वर और सात ब्रॉन्स मेडल के साथ तीसरे स्थान पर रहा। इस साल के इवेंट में 78 देशों और क्षेत्रों के कुल 1,79 पार्टीसिपेंट्स ने हिस्सा लिया, जो इसे टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे बड़ा बनाता है। 16 डेवेलोपमेंट में गोल्ड मेडल जीते, जबकि 29 महिलाएं पर पहुंचे, जो इसे शेष में सबसे बड़ा टूर्नामेंट टूर्नामेंट बनाता है। इंटरनेशनल वूशू फेडरेशन के संकेटी-डनरल श्रम युवक ने कहा कि चूंकि यह पंच के युवाओं के बीच वूशू को पॉपुलैरिटी और अहम एक पर लेवल पर पहुंच गया है।

सुरक्षा प्रोटोकॉल उल्लंघन: शाहीन अफरीदी पर लगा जुर्माना

लाहौर, बार्ता। लाहौर कलेंडर्स ने 28 मार्च को टीम होटल में सुरक्षा प्रोटोकॉल के कथित उल्लंघन की अदरुनी जांच के बाद शाहीन शाह अफरीदी पर 1 मिलियन पाकिस्तानी रुपये का जुर्माना लगाया है। हालांकि, टीम ने इस घटना को फिजिकल बलबल में उदाल करने से ज्यादा बड़ा चलाकर बताया गया था। इस घटना की रिपोर्ट बमबाने आने के तुरंत बाद फ्रेंचाइजी ने जांच शुरू की, जिसमें यह पता लगाया गया कि क्या किसी काम में पाकिस्तान सुरक्षा को खतरा बाल विरामों का उल्लंघन किया है। फ्रेंचाइजी ने कहा कि यह गुप्तता, जिसे अपनी जमी से और पहले से किया गया, कसम बताया गया, अनुशासन को मजबूत करने और

कनाडा सूर्य 60 सीजन 2,29 सितंबर से 4 अक्टूबर के बीच वैक्यूम में खेला जाएगा

कनाडा सूर्य 60 सीजन 2,29 सितंबर से 4 अक्टूबर के बीच वैक्यूम में खेला जाएगा कनाडा सूर्य 60 लीग, जो दुनिया भर के क्रिकेट जगत में सबसे रोमांचक नई चीजों में से एक है, अपने दूसरे सीजन के लिए 29 सितंबर से 4 अक्टूबर तक यहां के मरशर बोसो प्लेस स्टेडियम में लॉन्च के लिए तैयार है, जिसका बेसबी से इन्वॉल्व था। एक जबरन डेब्यू सीजन के बाद, जिसमें दुनिया भर के र्विंड हल आया होंगे, कनाडा सूर्य 60 इंटरनेशनल क्रिकेट कलेंडर में एक बड़ा इवेंट बनने की अपेक्षा का बार्शिंग रहे हुए हैं। लीग पॉपुलर युवक सिंहर ने कहा कि ऑपेराटिक रूप से एक विस्तृत जवाब भी दिया है।

बचपन में आगे कहा गया, फ्रेंचाइजी ने सिक्सडैटिटी कर्मचारियों को कोशिशों को दिल से तारीफ की, खिलाड़ियों, अधिकारियों और दर्शकों के लिए एक सुरक्षित माहौल पकना करने में उनकी जरूरी भूमिका को ध्यान रखा।

मनिका बत्रा ने लिली झांग को हराकर ग्रुप स्टेज में जीत हासिल की

मकाओ, बार्ता। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा और शीना अकुला ने मंगलवार को यहां ऑलटाइप वर्ल्ड कप 2026 के दूसरे दिन अलग-अलग नतीजे दिए। महिला सिंगल्स के लिए टेबल टेनिस वर्ल्ड रैंकिंग में 47वें नंबर पर मौजूद मनिका बत्रा ने अमेरिका की दुनिया की 42वें नंबर की खिलाड़ी लिली झांग पर 3-2 (11-7, 11-2, 14-16, 5-11, 11-6) से जीत दर्ज की।

30 साल की मनिका बत्रा सीजे गेम में मुकाबला अपने नाम करने के लिए तैयार दिख रही थीं, उन्होंने तीसरे गेम में 5-2 की बहुत बुरा ली और फॉर पाईट हासिल किया। हालांकि, फॉर पैन अमेरिका जबरन बार्शियन लिली झांग ने सिंगल्स बार्शियन की और टाई-ब्रेक के लिए मजबूत किया,



फिर गेम जीत लिया। इसी मोमेंट के साथ, बत्रा ने चौथा गेम जीत कर मैच को डिसेाइडर तक पहुंचा दिया। हालांकि, तीन बार की ऑलरिगेशन बत्रा ने दबाव में वापसी की और अपने आखिरी गेम में जीत हासिल की। आईटीटीएफ वर्ल्ड कप में सभी ग्रुप स्टेज में बेट-ऑफ-फाइन

CMYK

CMYK

CMYK

CMYK

पैचीदा होते हालात

ईरान के साथ अमेरिका-इस्राइल युद्ध अब बेहद खतरनाक मोड़ लेता दिखाई दे रहा है। यह युद्ध कैसे खत्म होगा, आज की तारीख में इसे बताने के लिए कोई भी सक्षम व्यक्ति इस धरती पर मौजूद दिखाई नहीं दे रहा है। यह बेहद खतरनाक स्थिति है। भले ही यह युद्ध ईरान-अमेरिका/इस्राइल के बीच दिखाई दे रहा हो, लेकिन हकीकत यह है कि इस युद्ध की आग में पूरी दुनिया झूलसती दिखाई दे रही है। इसलिए कोई भी मुल्क यह कहकर पल्ला नहीं झाड़ सकता कि इस संघर्ष से उसका कोई लेना-देना नहीं है। यह बेहद अफसोसजनक बात है कि विश्व स्तर पर इस समय कोई भी ऐसा नेता नहीं है, जो आगे बढ़कर सभी पक्षों को शांति की मेज पर लाए। इक्का-दुक्का कोशिशें हो रही हैं, लेकिन वह वास्तव में शांति के लिए कम दिखावे के लिए ज्यादा होती दिखाई दे रही हैं। हाल ही में हुई पाकिस्तान, तुर्की, सऊदी अरब और मिस्र के विदेश मंत्रियों की बैठक भी कोई रंग लाती दिखाई नहीं दे रही है, लेकिन इस अवसर पर मिस्र के विदेश मंत्री ने जो कहा था वह काफी ध्यान देने योग्य है। उनका कहना था कि इस जंग को केवल ट्रम्प ही रोक सकते हैं। असल में इस जंग में जो सबसे बड़ी रुकावट है वह जंग शुरू करने वाले देश ही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प पर कोई भरोसा करने के लिए तैयार नहीं है और जब तक भरोसा नहीं होगा किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकता और न ही किसी से कोई बातचीत का मतलब है। यह बात इस आधार पर की जा रही है कि बातचीत का भरोसा ट्रम्प ने ही तोड़ा है। ईरान का कहना तर्कसंगत है कि जब बातचीत हुई है तब-तब अमेरिका ने उस पर हमला किया है। जब 28 फरवरी को ईरान पर हमला किया गया तब भी बातचीत का सिलसिला जारी था और खुद ट्रम्प कह रहे थे कि बातचीत सही दिशा में जा रही है। ईरान की तरफ से भी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही थी। लोगों को भी उम्मीद थी कि यह संकट आराम से टल जाएगा, लेकिन अचानक अमेरिका-इस्राइल ने मिलकर ईरान पर हमला बोला, बल्कि उसके धार्मिक शीर्ष नेता आयातुल्ला अली खामेनेई समेत दर्जनों टॉप सैन्य कमांडर मार दिए गए। यह हमला कहीं से भी उचित नहीं कहा जा सकता। यही कारण है कि आज अमेरिका पूरी दुनिया में अलग-थलग पड़ता दिखाई दे रहा है। कठिन परिस्थितियों में उसका साथ देने वाला नाटो संगठन भी उससे न सिर्फ दूरी बना रहा है, बल्कि उसको यह आतंकियुद्ध थोपने के लिए नसीहत भी दे रहा है। भले ही ट्रम्प अपनी खीज मिटाने के लिए नाटो को कागजी शेर, कायर कह रहे हों, लेकिन इससे वास्तविक तथ्यों को नहीं बदल सकते। ट्रम्प भी जानते हैं कि वह इस युद्ध में फंस चुके हैं। हालात इतने बुरे हो चले हैं, कि उन्हें इस युद्ध से बाहर निकलने के लिए पाकिस्तान जैसे देश की मदद लेनी पड़ रही है।

आजीविका की समस्याएं गंभीर हो रही

उप्र जैसे बड़े और गरीब राज्य में रोजगार, महंगाई और आजीविका की समस्याएं लगातार गंभीर होती जा रही हैं। सरकारें इन मुद्दों पर ठोस समाधान देने के बजाय केवल वादों और जुमलेबाजी तक सीमित हैं, जिससे आमजन का जीवन और कठिन हो गया है, वैश्विक तनाव, विशेषकर अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण पेट्रोल, गैस और अन्य जरूरी वस्तुओं की कीमतों में भारी वृद्धि हुई है, इसका सबसे ज्यादा असर गरीब और मेहनतकश वर्ग पर पड़ा है, जिससे उनकी परेशानियां और बढ़ गई हैं, आत्मनिर्भरता केवल नारा नहीं, बल्कि इसे वास्तविकता में बदलने की जरूरत है, इसके लिए सरकार को दीर्घकालीन और सर्वसम्मति आधारित नीति बनानी चाहिए, जिसमें सभी दलों को शामिल किया जाए।

—सुश्री मायावती, अध्यक्ष, बहुजन समाज पार्टी

ईरान-इजरायल युद्ध केवल दो देशों के बीच सैन्य टकराव भर नहीं है, बल्कि यह वैश्विक राजनीति, ऊर्जा बाजार, व्यापार व्यवस्था और विनीय स्थिरता पर गहरा प्रभाव डालने वाला संकट बन चुका है। पश्चिम एशिया (मिडिल ईस्ट) लंबे समय से विश्व की ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र रहा है, और इसी क्षेत्र में संघर्ष बढ़ने से पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है। भारत जैसे विकासशील और ऊर्जा आयात पर निर्भर देश पर इसका प्रभाव और भी अधिक गहरा पड़ता है। वर्तमान समय में यह युद्ध केवल सीमित क्षेत्रीय संघर्ष नहीं रहा, बल्कि इसका असर वैश्विक तेल कीमतों, व्यापार मार्गों, मुद्रा विनिमय दर, निवेश प्रवाह और आम जनता को जीवनशैली तक पहुंच चुका है।

हालिया घटनाओं में अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर हमलों के बाद स्थिति और अधिक गंभीर हो गई है। अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के अनुसार इस संघर्ष ने वैश्विक तेल आपूर्ति को गंभीर रूप से प्रभावित किया है, जिससे तेल की कीमतों में तेज वृद्धि हुई है और कई देशों की आर्थिक स्थिति पर दबाव बढ़ा है, यह स्थिति भारत के लिए विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है।

भारत की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा तेल और गैस पर निर्भर है। भारत लगभग 85.90 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से आयात करता है। ऐसे में जब भी वैश्विक बाजार में तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो उसका सीधा असर भारत के व्यापार संतुलन, मुद्रा मूल्य और महंगाई पर पड़ता है। ईरान-इजरायल युद्ध के चलते तेल की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिला है। रिपोर्ट्स के अनुसार कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच चुकी हैं और भविष्य में 150 डॉलर तक जाने की आशंका जताई जा रही है।

तेल की कीमतों में यह वृद्धि भारत के लिए कई स्तरों पर संकट पैदा करती है। सबसे पहले, भारत का आयात बिल बढ़ जाता है। जब तेल महंगा होता है, तो सरकार को अधिक विदेशी मुद्रा खर्च करनी पड़ती है, जिससे चालू खाता घाटा बढ़ता है। इससे भारतीय रुपये पर दबाव आता है और उसकी कीमत गिरने लगती है। रुपये की कमजोरी का अर्थ है कि भारत को हर आयात के लिए अधिक भुगतान करना पड़ेगा, जिससे महंगाई और बढ़ जाती है।

महंगाई इस युद्ध का सबसे बड़ा और प्रत्यक्ष प्रभाव है। पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ने से परिवहन लागत बढ़ जाती है। जब परिवहन महंगा होता है, तो इसका असर हर वस्तु पर पड़ता है खाद्यान्न, सज्जियां, दवाइयां, कपड़े, निर्माण

ईरान-इस्राइल युद्ध का भारत पर प्रभाव



सामग्री आदि सभी महंगे हो जाते हैं। इस प्रकार आम जनता पर सीधा आर्थिक बोझ बढ़ता है। विशेषज्ञों का मानना है कि तेल की कीमतों में हर 10 प्रतिशत वृद्धि भारत की जीडीपी वृद्धि दर को 0.20-0.25 प्रतिशत तक कम कर सकती है।

ईरान-इजरायल युद्ध का दूसरा बड़ा प्रभाव व्यापार पर पड़ता है। भारत का एक बड़ा व्यापार पश्चिम एशियाई देशों के साथ होता है। खाड़ी क्षेत्र से भारत को न केवल तेल मिलता है, बल्कि भारत वहां बड़ी मात्रा में सामान निर्यात भी करता है, जैसे कुबासमती चावल, मसाले, दवाइयां, कपड़ा और इंजीनियरिंग उत्पाद। युद्ध के कारण समुद्री मार्गों में असुरक्षा बढ़ जाती है, विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य, जहां से दुनिया का बड़ा हिस्सा तेल गुजरता है। इस मार्ग में किसी भी प्रकार की बाधा भारत के व्यापार को सीधे प्रभावित करती है। जब समुद्री मार्ग असुरक्षित होते हैं, तो जहाजों के बीमा और माल ढुलाई की लागत बढ़ जाती है। इसका परिणाम यह होता है कि भारतीय निर्यातकों को लागत बढ़ जाती है और उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता कम हो जाती है। कई बार निर्यात में देरी या रद्दीकरण भी होता है, जिससे भारत के व्यापार घाटे में वृद्धि होती है। इस युद्ध के कारण भारत के कई उद्योगों को नुकसान पहुंचा है। विशेष रूप से वे उद्योग जो तेल पर निर्भर हैं जैसे परिवहन, विमानन, रसायन, प्लास्टिक, उर्वरक और विनिर्माण। विमानन क्षेत्र पर इसका सीधा असर पड़ा है क्योंकि हवाई ईंधन की कीमतें बढ़ गई हैं और कई अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों के मार्ग बदलने पड़े हैं। इससे टिकट महंगे हुए हैं और यात्रियों की संख्या में गिरावट आई है। भारतीय शेर बाजार भी इस युद्ध से अछूता नहीं रहा। जैसे ही युद्ध की खबरें बड़ीं, निवेशकों में डर पैदा हुआ और उन्होंने

सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख किया, जैसे सोना और अमेरिकी डॉलर। इससे भारतीय शेर बाजार में गिरावट आई और विदेशी निवेशकों ने पैसा निकालना शुरू कर दिया। इससे बाजार में अस्थिरता बढ़ी और कई कंपनियों को शेर मूल्य गिर गए। रुपये की कमजोरी एक और बड़ी समस्या है। जब विदेशी निवेशक पैसा निकालते हैं और आयात बिल बढ़ता है, तो रुपये की मांग कम हो जाती है। इससे रुपये की कीमत गिरती है। रूपए के कमजोर होने से आयात और महंगा हो जाता है, जिससे महंगाई का दुष्प्रभाव शुरू हो जाता है। इस युद्ध का प्रभाव केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक भी है। महंगाई बढ़ने से आम लोगों की क्रय शक्ति कम हो जाती है। मध्यम वर्ग और गरीब वर्ग के लिए जीवन यापन कठिन हो जाता है। रोजमर्रा की जरूरतों जैसे खाना, परिवहन, शिक्षा और स्वास्थ्यको लागत बढ़ जाती है। इससे सामाजिक असंतोष भी बढ़ सकता है। भारतीय सरकार के सामने इस स्थिति में कई चुनौतियां हैं। एक ओर उसे महंगाई को नियंत्रित करना है, दूसरी ओर आर्थिक विकास को बनाए रखना है। यदि सरकार पेट्रोल और डीजल पर टैक्स कम करती है, तो उसकी आय ढ़तमअ. मदनमरू घट जाती है। लेकिन यदि टैक्स नहीं घटाती, तो जनता पर बोझ बढ़ता है। यह एक संतुलन बनाने की कठिन स्थिति है। इसके अलावा, भारतीय रिजर्व बैंक को भी व्याज दरों को लेकर सावधानी बरतनी पड़ती है।

यदि महंगाई बढ़ती है, तो व्याज दरें बढ़ानी पड़ती हैं, लेकिन इससे निवेश और विकास पर असर पड़ता है। इस प्रकार युद्ध का प्रभाव मौद्रिक नीति पर भी पड़ता है। भारत के निर्यात क्षेत्र को भी इस युद्ध से नुकसान हुआ है। विशेष रूप से वे

वस्तुएं जो खाड़ी देशों को निर्यात की जाती हैं जैसे बासमती चावल, मसाले, दवाइयां और वस्त्र उनकी मांग में कमी आई है या आपूर्ति बाधित हुई है। कुछ मामलों में माल नष्ट भी हुआ है या समय पर नहीं पहुंच पाया, जिससे व्यापारियों को नुकसान उठाना पड़ा है। इसके अलावा, वैश्विक स्तर पर खाद्य और उर्वरक की कीमतों में भी वृद्धि हुई है। युद्ध के कारण आपूर्ति श्रृंखला बाधित होती है, जिससे कृषि क्षेत्र पर भी प्रभाव पड़ता है। भारत जैसे देश, जहां बड़ी आबादी कृषि पर निर्भर है, वहां इसका प्रभाव व्यापक होता है। ईरान-इजरा. इल युद्ध ने यह भी दिखाया है कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा कितनी कमजोर है। भारत को अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए विदेशों पर निर्भर रहना पड़ता है। इस स्थिति में किसी भी वैश्विक संकट का सीधा असर भारत पर पड़ता है। इसलिए लंबे समय में भारत को वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और जैव ईंधनको ओर तेजी से बढ़ाना होगा।

इस संकट का एक सकारात्मक पहलू भी हो सकता है। यह भारत को आत्मनिर्भर बनने और अपनी ऊर्जा नीति में सुधार करने के लिए प्रेरित कर सकता है। साथ ही, यह भारत को अपने व्यापार मार्गों और साझेदार देशों में विविधता लाने के लिए भी मजबूर कर सकता है। अंततः ईरान-इजरायल युद्ध ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई हैं। एक क्षेत्र में होने वाला संघर्ष पूरे विश्व को प्रभावित कर सकता है। भारत के लिए यह एक चेतावनी है कि उसे अपनी आर्थिक और ऊर्जा नीतियों को अधिक मजबूत और लचीला बनाना होगा। यदि यह युद्ध लंबे समय तक चलता है, तो भारत को गंभीर आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। उच्च महंगाई, धीमी आर्थिक वृद्धि, बढ़ता व्यापार घाटा और कमजोर मुद्रा, लेकिन यदि भारत सही नीतिगत कदम उठाता है, तो वह इस संकट को अवसर में भी बदल सकता है। इस प्रकार, ईरान-इजरायल युद्ध केवल एक सैन्य संघर्ष नहीं, बल्कि एक ऐसा वैश्विक आर्थिक संकट है जिसने भारत सहित पूरी दुनिया की आर्थिक संरचना को प्रभावित किया है। आने वाले समय में इस युद्ध की दिशा और अवधि यह तय करेगी कि इसका प्रभाव कितना गहरा और दीर्घकालिक होगा।

—एस.एम.राव

जलवायु परिवर्तन, अंतर्राष्ट्रीय तनाव व बढ़ता संकट

संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी चेतानवी के अनुसार पानी के जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की वजह से दुनिया की जल व्यवस्था दम तोड़ रही है। कई नदियां, ग्लेशियर और भूजल भंडार अपनी प्राकृतिक सीमा से ज्यादा दबाव में हैं, और संभव है कि वे पहले जैसी स्थिति में फिर कभी न लौट सकें। ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे नदियों का बहाव बदल रहा है। राजनीतिक तनाव इस समस्या को और जटिल बना रहे हैं। कई देशों के बीच पानी बंटवारे से जुड़े समझौते दबाव में आ गए हैं। अप्रैल 2025 में भारत ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया, जो 1960 से सिंधु नदी तंत्र के इस्तेमाल को तय करती थी। दूसरी ओर, अफगानिस्तान कुनार नदी पर एक बड़े जलाशय निर्माण की योजना बना रहा है, जिससे पाकिस्तान की ओर जाने वाले पानी में कमी आ सकती है। इसी बीच भारत और बांग्लादेश के बीच गंगा जल बंटवारे का समझौता भी दिसंबर में खत्म होने वाला है। नया समझौता न होने से नदी पर निर्भर लगभग 63 करोड़ लोग प्रभावित हो सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, पानी से सम्बंधित पुराने समझौतों को बनाए रखना ही काफी नहीं है बल्कि उन्हें आज की परिस्थितियों के अनुसार ढालना होगा। पहले के समझौते उस समय के स्थिर जल स्तर को रखा था और बनाए गए थे। लेकिन जलवायु परिवर्तन के कारण बारिश, ग्लेशियर पिघलने और नदियों के बहाव के पैटर्न पहले जैसे नहीं रहे। नवीनतम

आजकल वैज्ञानिक 'डिजिटल टिवन' नामक तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसमें कंप्यूटर पर नदी प्रणाली का एक आभासी मॉडल बनाया जाता है, जिससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि जलवायु परिवर्तन का नदी पर क्या असर पड़ेगा। चीन की यांगत्से नदी घाटी में इस तकनीक का इस्तेमाल जल प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए किया जा चुका है। सिंधु जल संधि कई युद्धों और राजनीतिक तनाव के बावजूद दशकों तक चलती रही है।



जानकारी उपलब्ध हो, तो समस्याओं का बेहतर प्रबंधन किया जा सकता है। आजकल वैज्ञानिक 'डिजिटल टिवन' नामक तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसमें कंप्यूटर पर नदी प्रणाली का एक आभासी मॉडल बनाया जाता है, जिससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि जलवायु परिवर्तन का नदी पर क्या असर पड़ेगा। चीन की यांगत्से नदी घाटी में इस तकनीक का इस्तेमाल जल प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए किया जा चुका है। सिंधु जल संधि कई युद्धों और राजनीतिक तनाव के बावजूद दशकों तक चलती रही। इसका एक कारण यह था कि इसमें विश्व बैंक जैसे तटस्थ मध्यस्थ की भूमिका थी

और दोनों देशों के तकनीकी विशेषज्ञों की एक संयुक्त समिति भी बनाई गई थी। और पानी से जुड़े ढांचे और परियोजनाओं के लिए साझा वित्तीय व्यवस्था भी रखी गई थी। ऐसी संस्थाओं को और मजबूत होना चाहिए, ताकि वे पूरे नदी क्षेत्र के प्रबंधन में डेटा के आधार पर फैसले ले सकें। नदियों को केवल पानी के स्रोत के रूप में देखने की बजाय उन्हें समग्र प्राकृतिक तंत्र के रूप में समझना होगा। बेहतर जानकारी, आपसी सहयोग और लचीले समझौतों की मदद से अभी भी आने वाले वैश्विक जल संकट को टाला जा सकता है।

—स्रोत फीचर्स

सोशल मीडिया की बढ़ती लत से दिमागी और सामाजिक प्रभाव

सोशल मीडिया का आगमन पिछले एक दशक में हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गया है। फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, और व्हाट्सएप जैसे प्लेटफार्मों ने न केवल हमारी संवाद शैली को बदल दिया है, बल्कि हमारी मानसिकता, स्वास्थ्य और सामाजिक जीवन पर भी गहरा प्रभाव डाला है। हालांकि, इस तकनीकी प्रगति के साथ-साथ, सोशल मीडिया की लत भी एक गंभीर समस्या बन गई है। इस लेख में हम सोशल मीडिया की लत के स्वास्थ्य पर प्रभावों की गहराई से चर्चा करेंगे।

कंपनियां अपने उत्पादों और सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्मों का उपयोग कर रही हैं। हालांकि, इस व्यावसायिक उपयोग के साथ-साथ, व्यक्तिगत उपयोग भी बढ़ रहा है।

अवसाद और चिंता
सोशल मीडिया की लत से अवसाद और चिंता की समस्याएं बढ़ सकती हैं। जब व्यक्ति दूसरों के जीवन को देखकर अपनी स्थिति को तुलना करते हैं, तो उन्हें असुरक्षा का अनुभव होता है। इससे मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

आत्म-सम्मान में कमी
सोशल मीडिया पर प्लाइडक और फॉलोअर की संख्या से व्यक्ति का आत्म-सम्मान प्रभावित होता है। जब व्यक्ति को अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिलती है, तो उनकी आत्मछवि पर बुरा असर पड़ता है।

शारीरिक स्वास्थ्य
सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग रात में नींद को गुणवत्ता को प्रभावित कर सकता है। स्क्रीन की नीली रोशनी और लगातार सूचनाओं के कारण व्यक्ति सोने में कठिनाई महसूस कर सकते हैं, जिससे स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ सकती हैं।

शारीरिक गतिविधियों की कमी
सोशल मीडिया पर अधिक समय बिताने से शारीरिक गतिविधियों की कमी होती है। यह वजन बढ़ने, हृदय रोग, और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है।

व्यक्तिगत संबंधों में कमी
सोशल मीडिया पर अधिक समय बिताने से व्यक्ति अपने वास्तविक संबंधों की उपेक्षा करने लगता है। इससे पारिवारिक और मित्रता संबंध कमजोर हो सकते हैं।

सामाजिक अलगाव
जब व्यक्ति केवल ऑनलाइन बातचीत में ही उलझा रहता है, तो वे वास्तविक दुनिया से अलगाव का अनुभव कर सकते हैं। यह सामाजिक जीवन में कमी का कारण बनता है।

प्रभावी शोध और अध्ययन
अनेक शोधों ने सोशल मीडिया के उपयोग और मानसिक स्वास्थ्य के बीच एक स्पष्ट संबंध स्थापित किया है। उदाहरण के लिए, एक अध्ययन में पाया गया कि जिन व्यक्तियों ने रोजाना अधिक समय सोशल मीडिया पर बिताया, उनमें अवसाद और चिंता के लक्षण अधिक देखे गए।

डेटा का विश्लेषण
एक अन्य अध्ययन में, 18 से 24 वर्ष के युवाओं में सोशल मीडिया के उपयोग और मानसिक स्वास्थ्य के बीच संबंध को स्थापित किया गया। यह पाया गया कि जिन युवाओं ने अपने आत्म-सम्मान को सोशल मीडिया पर आधारित किया, उनमें अवसाद की संभावना अधिक थी।

समाधान और उपाय
सोशल मीडिया के उपयोग को सीमित करना एक प्रभावी उपाय हो सकता है। व्यक्ति को अपनी स्क्रीन टाइम को नियंत्रित करना चाहिए और इसे केवल आवश्यकतानुसार उपयोग करना चाहिए।

डिजिटल डिटाँक्स
डिजिटल डिटाँक्स का अर्थ है कुछ समय के लिए सोशल मीडिया से दूरी बनाना। इससे व्यक्ति को अपने मानसिक स्वास्थ्य को पुनः सुधारने और वास्तविक जीवन में जुड़ने का अवसर मिलता है।

जागरूकता कार्यक्रम
लोगों को सोशल मीडिया के प्रभावों के बारे में जागरूक



करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में इस पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं
मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। व्यक्ति को अपने मानसिक स्वास्थ्य के लिए विशेष मदद लेने में संकोच नहीं करना चाहिए।

निष्कर्ष
सोशल मीडिया हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है, लेकिन इसकी लत गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन

सकती है। मानसिक, शारीरिक, और सामाजिक स्वास्थ्य पर इसके प्रभावों को समझना अत्यंत महत्वपूर्ण है। हमें इसे समझदारी से उपयोग करने की आवश्यकता है, ताकि हम इसके फायदों का लाभ उठा सकें और इसके हानिकारक प्रभावों से बच सकें। इस दिशा में उठाए गए कदम न केवल हमारे लिए, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। एक स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने के लिए हमें सोशल मीडिया का सावधानीपूर्वक उपयोग करना चाहिए।

—स्रोत फीचर्स

